Roll No. .....
Signature of Invigilator .....

Paper Code
MD-203

पतंजलि विश्वविद्यालय

University of Patanjali

Examination June – 2022

M.A. Darshan, Semester : Second
Darshan ; Paper : Third

वेदान्त–मीमांसा–2

Time: 3 Hours **Max. Marks: 70**

नोट : यह प्रश्नपत्र सत्तर (70) अंकों का है जो दो (02) खंडों क, तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

खण्ड–क
(दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पांच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिए हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पंद्रह अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(3×15=45)**

1. वेदान्तानुसार सृष्टिरचना में स्वतन्त्र प्रकृतिवाद का निराकरण करते हुए उभयकारणवाद का निरूपण करें।
2. वेदान्तदर्शनानुसार साकारेश्वरवाद तथा 'स्वप्नवत्मायावच्चजगत' इस वाद का निराकरण प्रमाणपूर्वक करें।
3. आकाशादि भूत, इन्द्रिय तथा मन का उत्पत्ति – लयक्रम वेदान्तदर्शनानुसार वर्णित करें।
4. जीवात्मा एवं ब्रह्म में अंशांऽशी सम्बन्ध का प्रमाणपूर्वक वर्णन करें।
5. जीवात्मा के अनुत्पत्तिधर्मत्व एवं नित्यत्व का प्रतिपादन करें।

खण्ड–ख
(लघु–उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में सात (07) लघु उत्तरीय प्रश्न दिए गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पांच अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **पांच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(5×5=25)**

6. वेदान्तानुसार प्राण के स्वरूप एवं इन्द्रियों से भिन्नत्व का उल्लेख करें।
7. "लोकवत्तु लीलाकैवल्यम्" इस सूत्र की सप्रसंग व्याख्या करें।
8. जीवात्मा के परिमाण का संक्षिप्त वर्णन लिखें।
9. मीमांसा न्यायप्रकाश के अनुसार वेद की अपौरुषेयता को स्पष्ट करें।
10. मीमांसा न्यायप्रकाश के अनुसार भावना के स्वरूप को स्पष्ट करें।
11. वेदान्तदर्शनानुसार कोई दो प्रमाण देकर सिद्ध करें कि असत् से सत् की सिद्धि नहीं होती।
12. "गौण्यसम्भवात्" इस सूत्र की सप्रसंग व्याख्या करें।

----------x----------